मिट्ठू तोता

सुशीला स्टोन, चित्र : हीदर डिकिंसन

मिट्ठू तोता

सुशीला स्टोन, चित्र : हीदर डिकिंसन

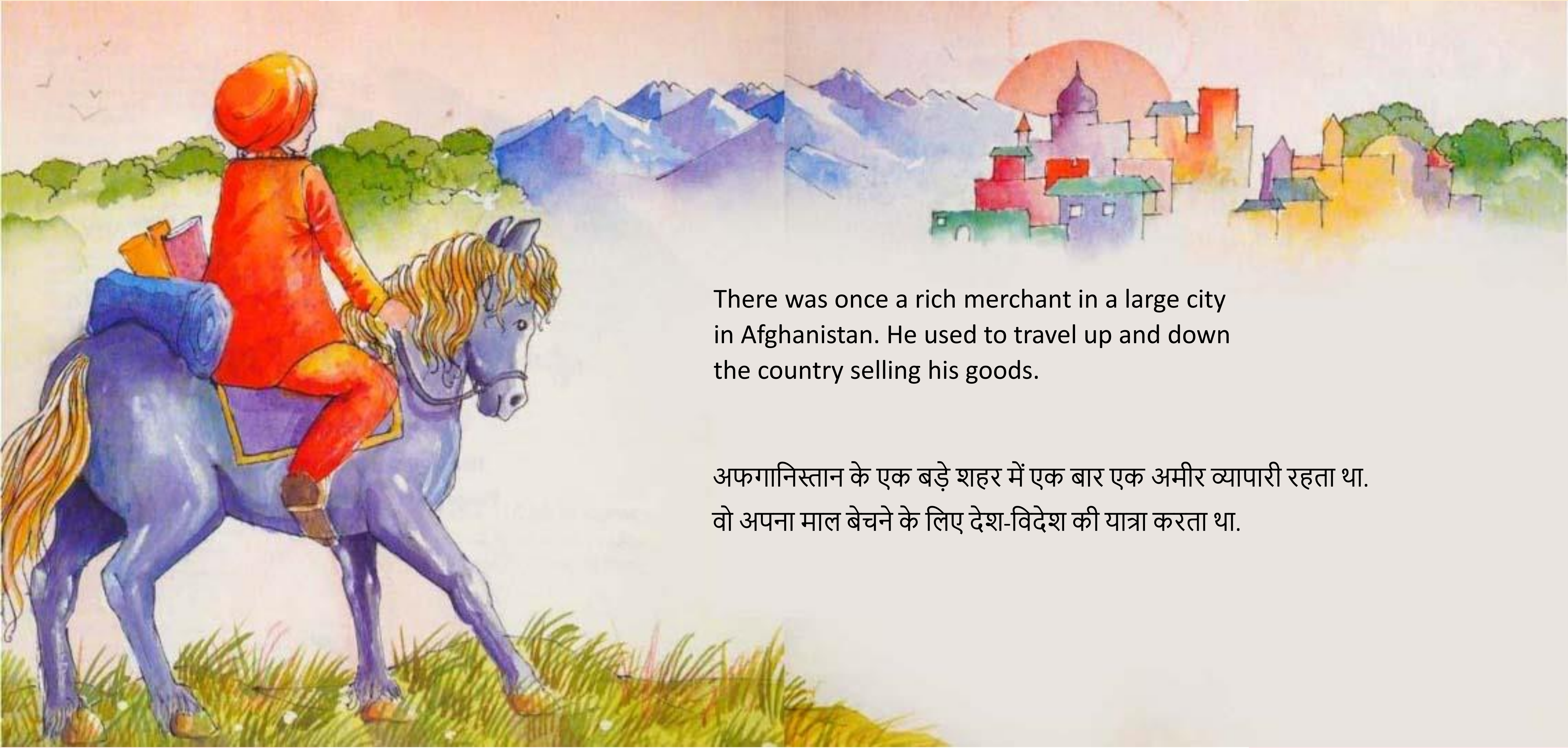

There was once a rich merchant in a large city in Afghanistan. He used to travel up and down the country selling his goods.

अफगानिस्तान के एक बड़े शहर में एक बार एक अमीर व्यापारी रहता था. वो अपना माल बेचने के लिए देश-विदेश की यात्रा करता था.

One day, before he set out on a long journey, he said to his favourite parrot, Mitthu, "What would you like me to bring back from my travels?"

एक दिन, एक लंबी यात्रा पर निकलने से पहले,
उसने अपने पसंदीदा तोते मिट्ठू से पूछा,
"मैं यात्रा में तुम्हारे लिए क्या लाऊँ?"

Mitthu said, "Master, you will be passing through the forest where I was born. I would like you to give my relations a message and bring back a reply."

"What is the message?" asked the merchant.

"Tell them," said Mitthu, "that while they are free to fly about the forest, I am cooped up in a cage."

मिट्ठू ने कहा, "मालिक, आप उस जंगल से गुजरेंगे जहां मैं पैदा हुआ था. मैं चाहता हूं कि आप मेरे रिश्तेदारों को मेरा एक संदेश दें और उनका जवाब वापस लाएं."

"संदेश क्या है?" व्यापारी ने पूछा.

"उनसे पूछें," मिट्ठू ने कहा, "जब वो जंगल में चारों ओर उड़ने के लिए स्वतंत्र हैं, फिर मैं क्यों एक पिंजरे में बंद हूं?"

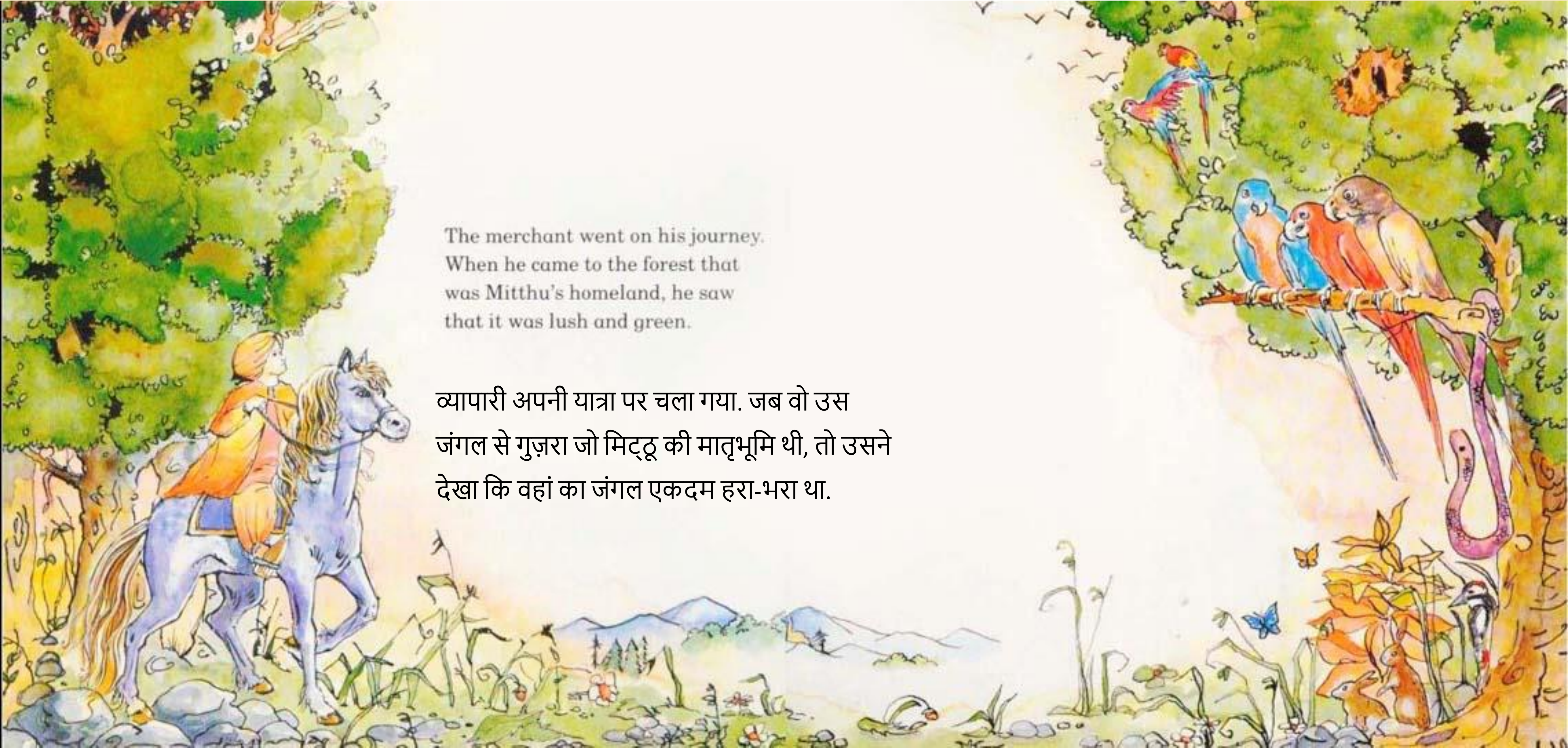

The merchant went on his journey. When he came to the forest that was Mitthu's homeland, he saw that it was lush and green.

व्यापारी अपनी यात्रा पर चला गया. जब वो उस जंगल से गुज़रा जो मिट्ठू की मातृभूमि थी, तो उसने देखा कि वहां का जंगल एकदम हरा-भरा था.

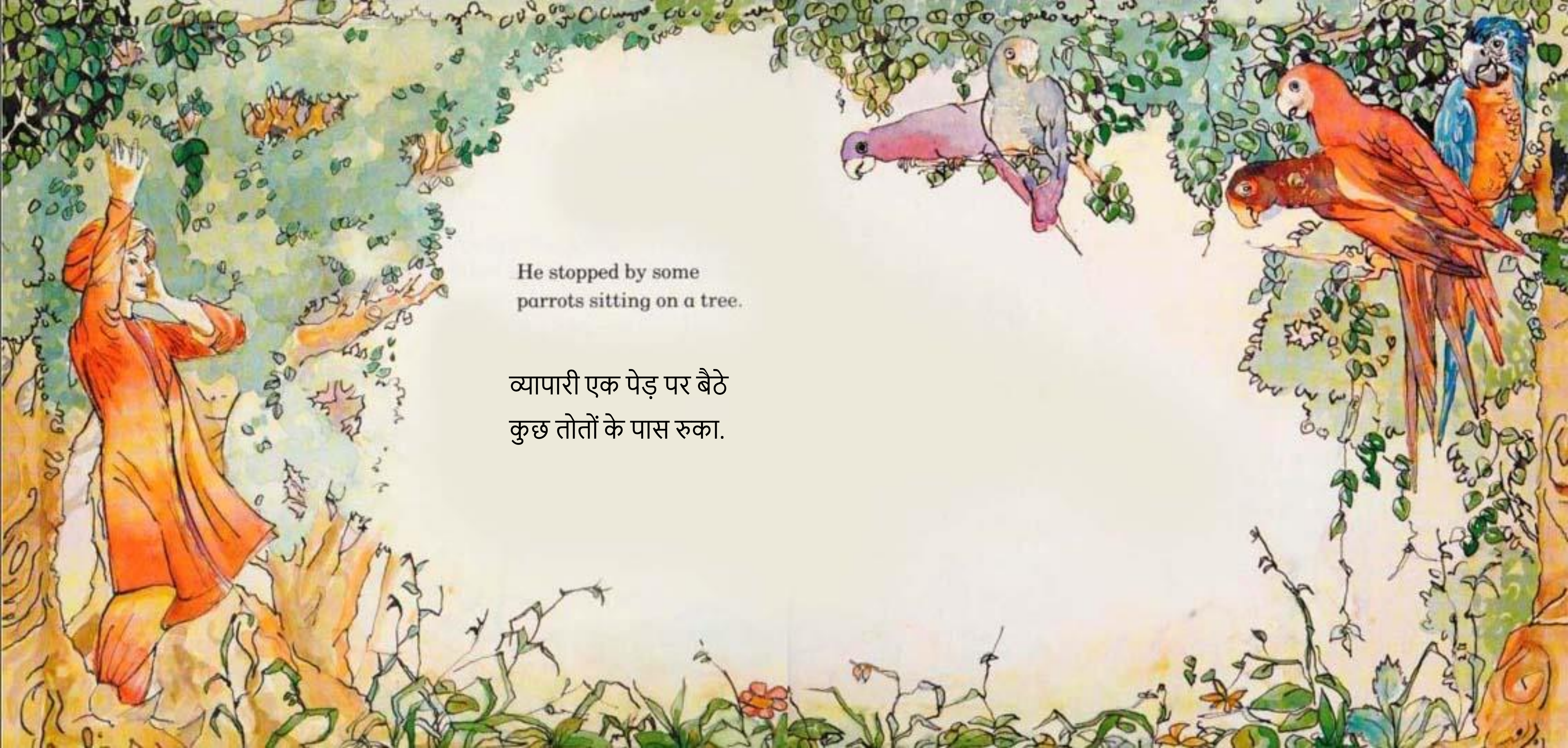

He stopped by some
parrots sitting on a tree.

व्यापारी एक पेड़ पर बैठे
कुछ तोतों के पास रुका.

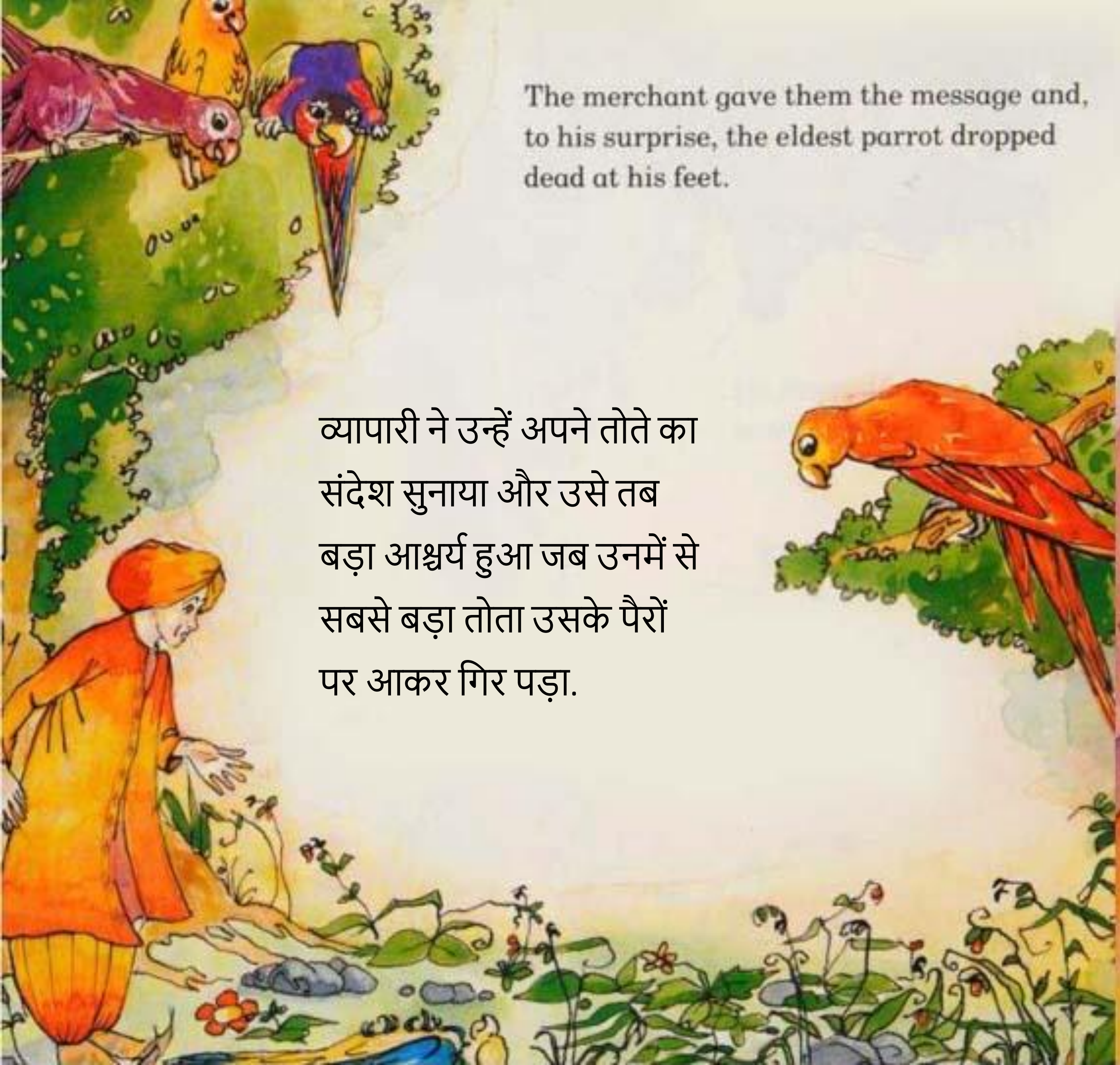

The merchant gave them the message and, to his surprise, the eldest parrot dropped dead at his feet.

व्यापारी ने उन्हें अपने तोते का संदेश सुनाया और उसे तब बड़ा आश्चर्य हुआ जब उनमें से सबसे बड़ा तोता उसके पैरों पर आकर गिर पड़ा.

When he returned home, the merchant gave Mitthu the sad news.

घर लौटने पर व्यापारी ने मिट्ठू को वो दुखद समाचार सुनाया.

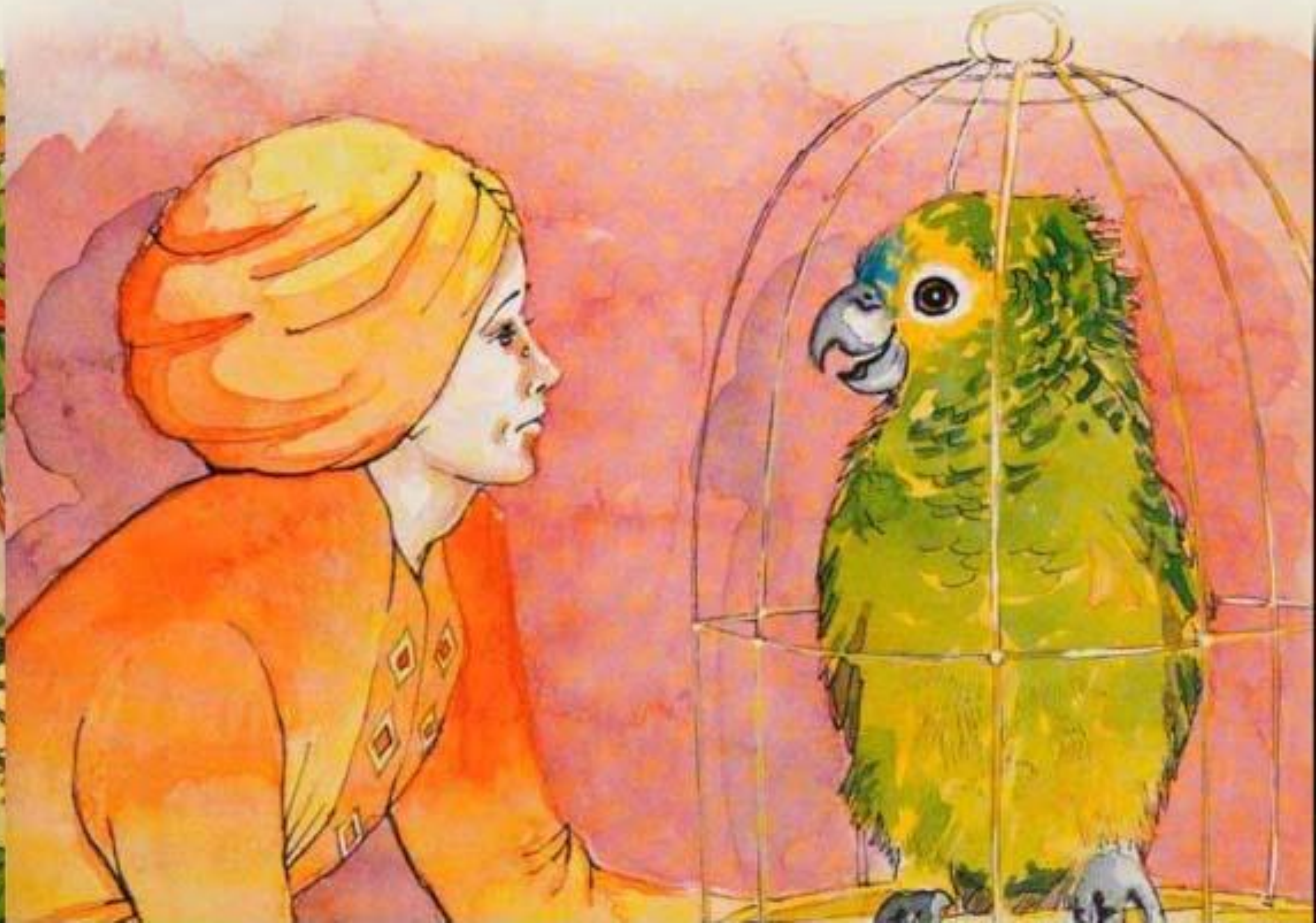

As soon as Mitthu heard it, he cried, "Alas!"

वो सुनते ही मिट्ठू रोया, "हाय!"

and with a gasp he too fell lifeless on the floor of the cage.

और फिर हांफते हुए वो भी पिंजरे
के फर्श पर बेजान होकर गिर गया.

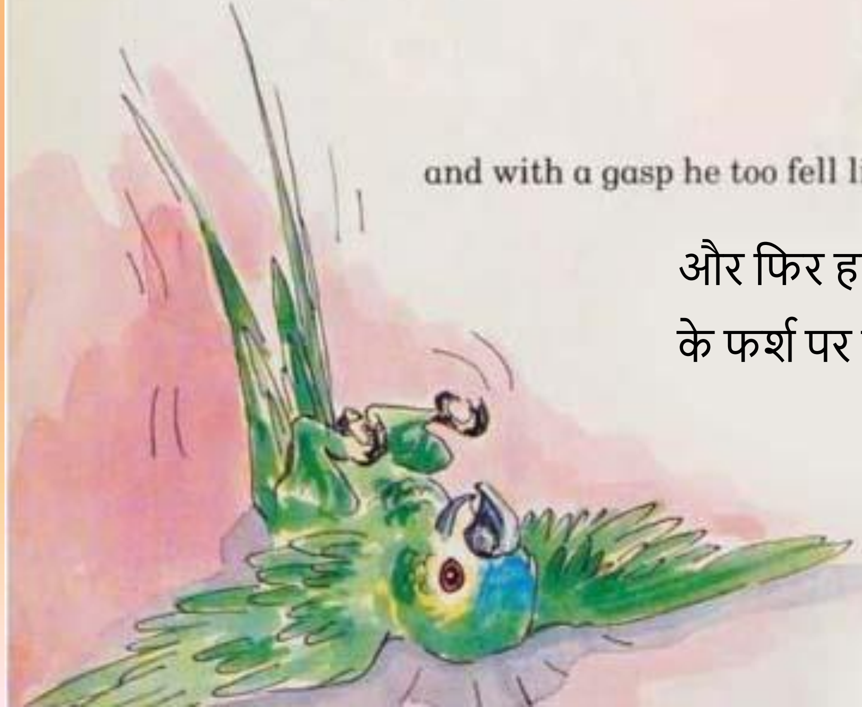

Sadly, the merchant opened the door of the cage
and lifted out the still form.

उसके बाद व्यापारी ने पिंजरे का दरवाजा खोला
और उस बेजान तोते को बाहर निकाला.

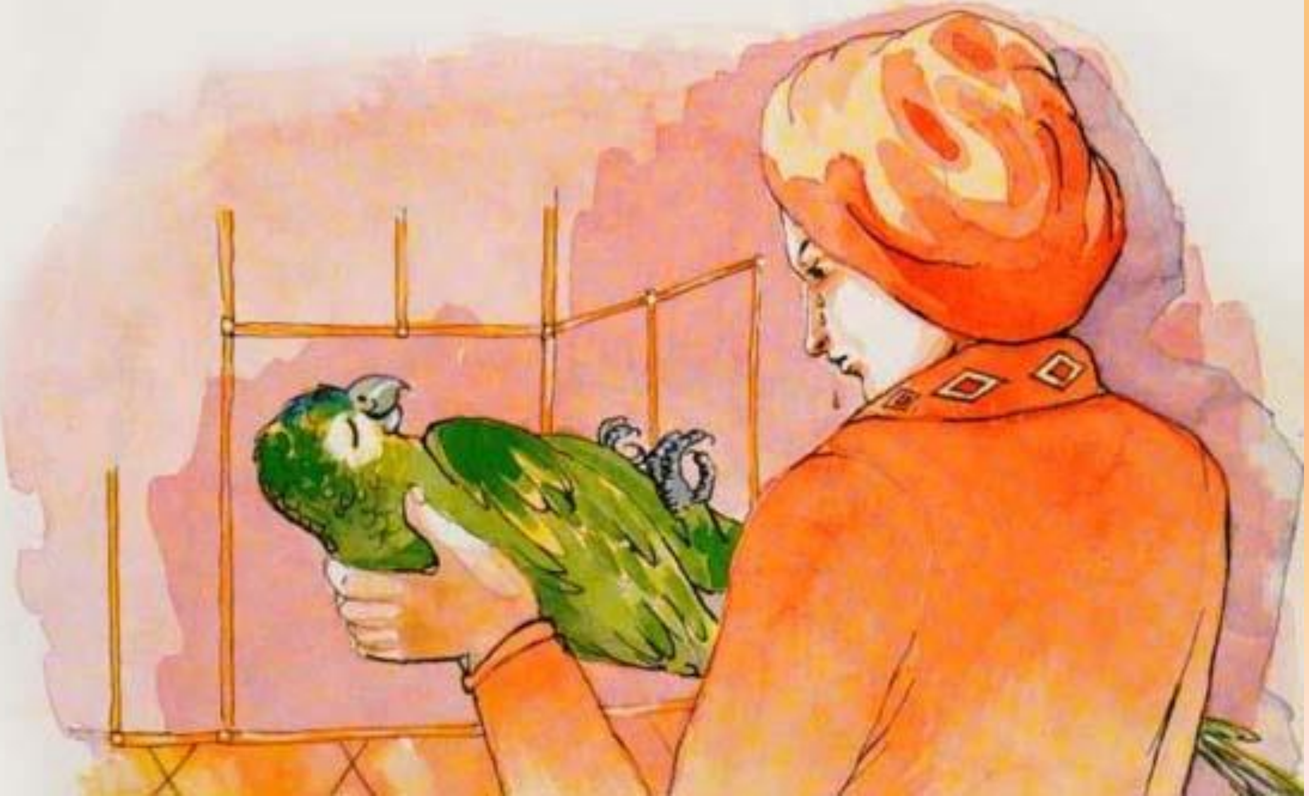

Then, to his great surprise, Mitthu hopped up and flew out of reach to a nearby tree.

पर पिंजड़े से बाहर निकलते ही मिट्ठू कूदा और फुर्र से पास के एक पेड़ के ऊपर जाकर बैठ गया.

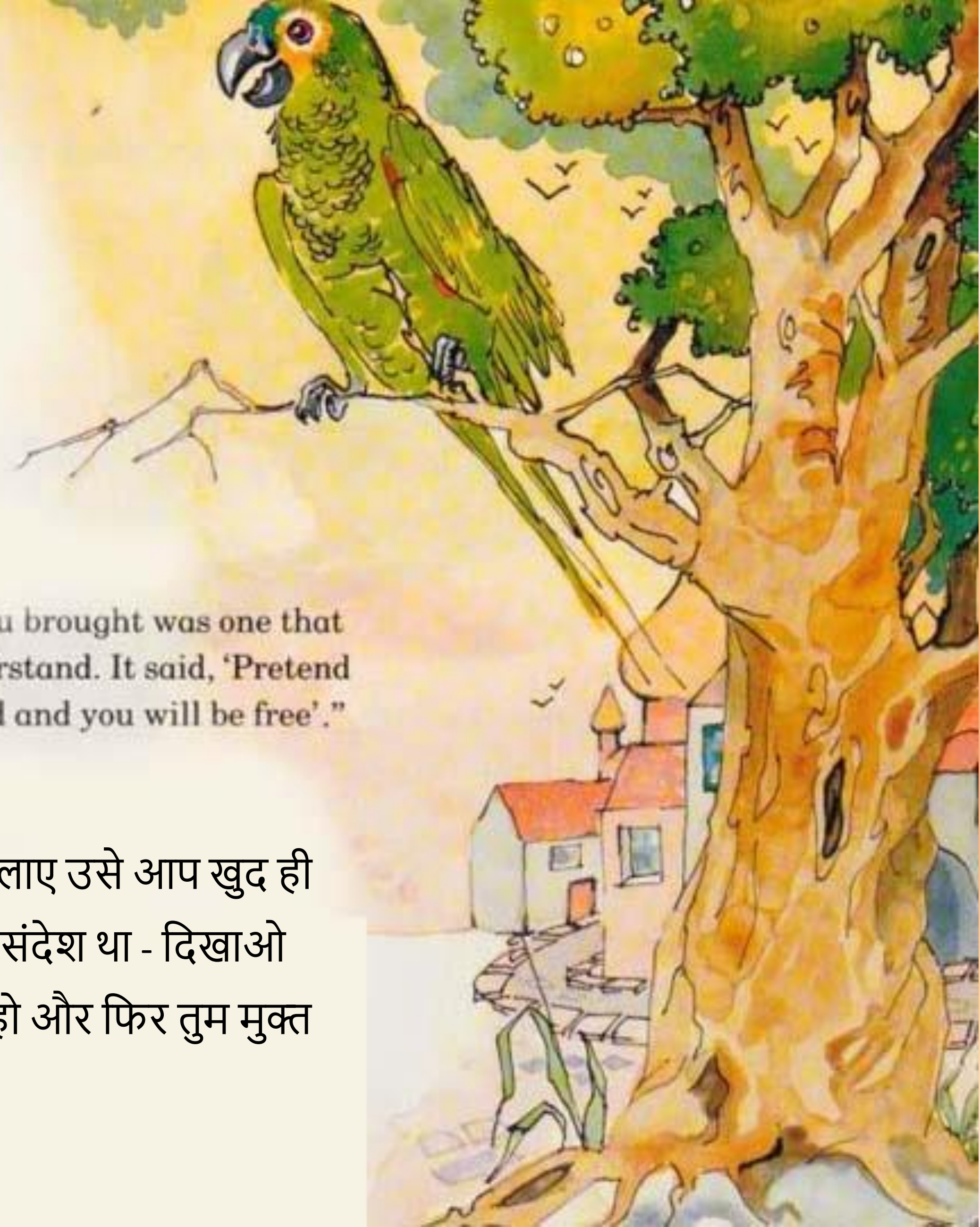

"The message you brought was one that you did not understand. It said, 'Pretend that you are dead and you will be free'."

"आप जो संदेश लाए उसे आप खुद ही नहीं समझ पाए. संदेश था - दिखाओ कि तुम मर गए हो और फिर तुम मुक्त हो जाओगे."

फिर मिट्ठू उड़कर उस जंगल में लौट गया जहाँ वो पैदा हुआ था.

Then Mitthu flew back to his forest home.

समाप्त

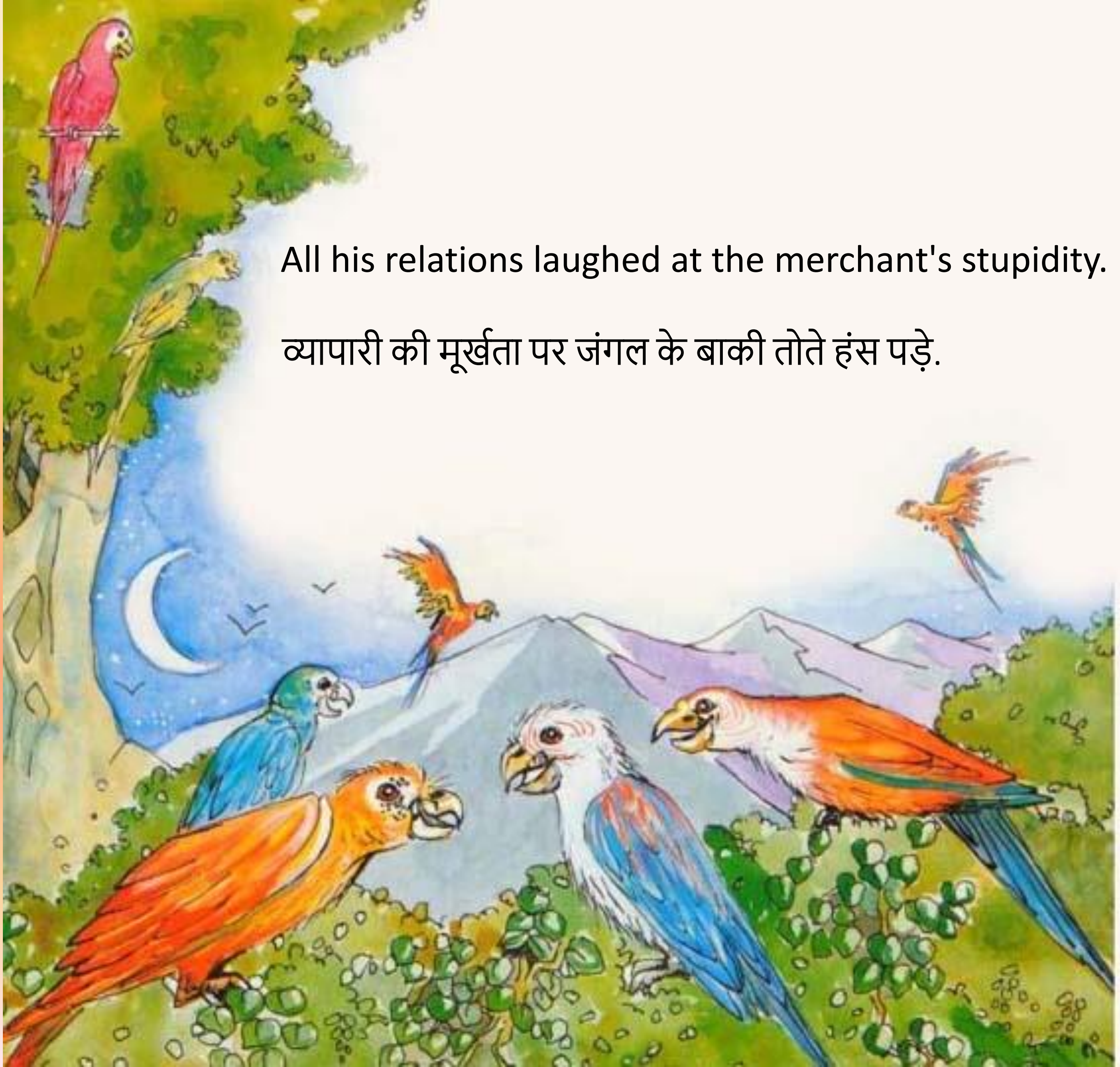

All his relations laughed at the merchant's stupidity.

व्यापारी की मूर्खता पर जंगल के बाकी तोते हंस पड़े.

समाप्त